हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, गुरुवार 25 जून 2026

11 राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध कटों की भरमार

12 विधायक ने 11 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ किया

खबर संक्षेप

बिना मान्यता प्राप्त स्कूलों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश

झज्जर। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक ने

जिले के सभी खंड मौलिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे सभी स्कूलों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 तथा हरियाणा स्कूल शिक्षा नियमों के तहत बिना वैध मान्यता के कोई भी विद्यालय संचालन नहीं कर सकता। ऐसे विद्यालय विद्यार्थियों के भविष्य के लिए गंभीर खतरा हैं और इनके खिलाफ अब सख्त रूख अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ प्ले स्कूल कक्षा बाल वाटिका तीन से आगे की कक्षाएं भी संचालित कर रहे हैं जो कि शिक्षा के अधिकार 2009 का उल्लघंन है। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में बिना मान्यता वाले स्कूलों की विस्तृत सूची तैयार करने, उन्हें तुरंत बंद कराने, परिसर को सील कराने तथा विद्यार्थियों के नजदीक के विद्यालयों में स्थानांतरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं।

30 जून तक आयोजित होंगे लोक कल्याण मेले

झज्जर। केंद्र सरकार के आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के तहत आगामी 30 जून तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जिला स्तर पर स्वनिधि महोत्सव, शहरी स्थानीय निकाय स्तर पर लोक कल्याण मेला तथा नगर स्तर पर स्वनिधि शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पात्र लाभार्थी शहरी स्थानीय निकाय कार्यालय पहुंच कर योजना की जानकारी लेते हुए लाभ भी उठाएं। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि बताया कि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को अपना रोजगार बढ़ाने के लिए पहले चरण में 15 हजार रुपये तक और ऋण की समय पर अदायगी करने पर दूसरे चरण में 25 हजार रुपये तथा इसके बाद 50 हजार रुपये तक ऋण सुविधा प्रदान की जाती है।

बिजली उपभोक्ताओं की आज होगी सुनवाई

झज्जर। बिजली एवं बिजली बिल से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निवारण के उद्देश्य से वीरवार सुबह 11 से एक बजे तक चेयरमैन जोनल फॉर्म उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम रोहतक द्वारा राजीव गांधी विद्युत सदन, पावर हाउस, रोहतक में सुनवाई की जाएगी। झज्जर जिले के उपभोक्ता अपने बिजली बिल संबंधी मामलों को बैठक में प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि उपभोक्ता अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता या उपमंडल अभियंता के निर्णय से संतुष्ट ना हो तो वे अपनी शिकायत चेयरमैन, जोनल फॉर्म रोहतक के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

सड़कों पर पानी भर जाने के बाद खुले नालों में गिरकर अक्सर होती हैं दुर्घटनाएं, जनता ने की जल्द समाधान की मांग

मानसून में खुले और जर्जर नाले दे रहे हादसों को न्योता, टूटीं स्लैब व जालियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सिटी पल्स

शहर में जगह-जगह खुले और जर्जर नाले नागरिकों के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। कई स्थानों पर नालों की दीवारें टूट चुकी हैं, जबकि अनेक नालों पर स्लैब और जालियां तक नहीं लगी हैं। बरसात का मौसम शुरू होने के साथ ही इन नालों का खतरा और बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन और नगर परिषद की अनदेखी के कारण कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क किनारे बने नालों की हालत खराब है। कई जगह नाले पूरी तरह खुले हैं तो कहीं उनकी दीवारें टूट चुकी हैं। रात के समय अपर्याप्त रोशनी के कारण वाहन चालक और राहगीर इनकी चपेट में आने का जोखिम उठाते हैं। अतीत में भी कई पशु और नागरिक नालों में गिरकर घायल हो चुके हैं, जबकि कुछ मामलों में जान भी जा चुकी है। इसके बावजूद स्थायी समाधान की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। बरसात के दौरान पानी भर जाने से खुले नालों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में राहगीर और वाहन चालक अनजाने में नाले में गिर सकते हैं। कई क्षेत्रों में जलभराव की समस्या भी रहती है, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। खुले और जर्जर नालों का मुद्दा केवल सुविधा का नहीं बल्कि लोगों की जान-माल की सुरक्षा से जुड़ा है। समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए तो बरसात में बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

बहादुरगढ़। शहर के बालौर रोड पर खुला व क्षतिग्रस्त नाला।

खुले नालों में राहगीर गिरकर हो चुके हैं चोटिल

वीरेंद्र जग्गू राठी ने बताया कि शहर में कई जगह नालों पर स्लैब नहीं हैं। मुख्य बाजार के आसपास भी कुछ नालों की हालत खराब है। ग्राहक और राहगीर कई बार फिसलकर गिर चुके हैं। हर वर्ष बरसात से पहले नालों की सफाई तो करवा दी जाती है, लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए जालियां और स्लैब लगाने पर ध्यान नहीं दिया जाता।

जर्जर नालों का होना चाहिए जल्द सर्वे

योगेश यादव के अनुसार हर साल हादसे होते हैं, लेकिन उसके बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकलता। सभी खुले नालों की पहचान कर जर्जर नालों की तत्काल मरम्मत करवाई जाए। खुले नालों पर स्लैब लगाई जाएं। शहर के सभी खुले नालों का सर्वे होना चाहिए। टूटी हुई नालियां और खुले नाले नगर परिषद की लापरवाही को दिखाते हैं।

स्कूल जाने वाले बच्चों को सबसे ज्यादा खतरा

रितू भारद्वाज का मानना है कि खुले व जर्जर नालों से महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी खतरा है। बच्चे खेलते हुए निकलते हैं और हमेशा डर बना रहता है कि कोई हादसा न हो जाए। नगर परिषद को हादसे का इंतजार नहीं करना चाहिए। संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं।

डीसी ने मानसून सीजन से पूर्व ड्रेन व नालों की सफाई करने के दिए निर्देश

झज्जर। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में मानसून सीजन में जलभराव की स्थिति पैदा न हो इसके लिए संबंधित विभाग ड्रेन व नालों की सफाई व्यवस्था करवाना सुनिश्चित करें। यह निर्देश डीसी वर्षा खांगवाल ने बुधवार को बाढ़ नियंत्रण उपायों को लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक में जलनिकासी तैयारियों की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ड्रेन एवं नालों की सफाई कार्य में किसी प्रकार की कोताही ना हो, निर्धारित समयसीमा में सभी कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिले में ऐसे सभी स्थानों एवं क्षेत्रों को चिन्हित कर लिया जाए, जहां जलभराव की स्थिति उत्पन्न होने की संभावना रहती है। इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में समय रहते आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं ताकि बारिश के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि जिले में सेप्टी टैंक की सफाई का कार्य मैनुअल न हो, मशीन से ही सफाई की जाए। साथ ही नालों की सफाई के दौरान कर्मचारी सेप्टी उपकरणों के साथ सफाई कार्य करना सुनिश्चित करें।

बहादुरगढ़ के पार्षदों ने डीसी से मिलकर सौंपी शिकायत

नप चेयरपर्सन और पार्षदों ने नगर आयुक्त के खिलाफ खोला मोर्चा

- नगर परिषद द्वारा प्रस्तावित और स्वीकृत विकास कार्यों को रोकने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

बहादुरगढ़ की नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी कई पार्षदों के साथ बुधवार को जिला उपायुक्त से मिलीं और जिला नगर आयुक्त पर विकास कार्यों में बाधा डालने और जनप्रतिनिधियों को अनावश्यक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए। हालांकि डीएमसी ने तमाम आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा संभावित खतरों को समय रहते रोकना नगर परिषद का दायित्व है।

नगर परिषद प्रधान सरोज राठी ने बुधवार को जिला नगर आयुक्त अभिनव सिवाच पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए उपायुक्त वर्षा खांगवाल को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। शिकायत पर चेयरपर्सन सरोज राठी के साथ वार्ड नंबर-1 के पार्षद रजनीश कुमार, वार्ड नंबर-6 के पार्षद राजेश तंवर, वार्ड नंबर-7 के पार्षद संदीप अहलावत, वार्ड नंबर-14 की पार्षद सविता राजेश सैनी, वार्ड नंबर-18 के पार्षद संदीप दहिया, वार्ड नंबर-21 के पार्षद बिजेंद्र दलाल, वार्ड नंबर-23 की पार्षद सुनैना संजीव मलिक, वार्ड नंबर-26 के पार्षद बलराम दलाल और वार्ड नंबर-31 की पार्षद सरीता के हस्ताक्षर हैं।

झज्जर। डीसी से शिकायत करने पहुंची चेयरपर्सन व पार्षद।

टारगेट कर भेजे नोटिस : राठी

चेयरपर्सन सरोज राठी और पार्षदों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा प्रस्तावित और स्वीकृत विकास कार्यों को लगातार रोका जा रहा है। इसके अलावा टारगेट करते हुए कुछ जनप्रतिनिधियों और व्यक्तियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। डीसी से मांग की गई है कि पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष अधिकारी से करवाई जाए। सरोज राठी ने चेतावनी दी कि वे इस पूरे मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगी।

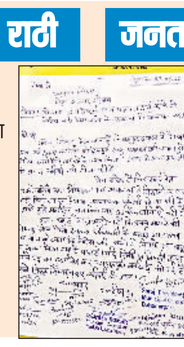

जनता की सुरक्षा जरूरी : सिवाच

जिला नगर आयुक्त अभिनव सिवाच ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि नगर परिषद द्वारा किसी भी प्रकार की कार्रवाई जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखकर की जा रही है। उन्होंने कहा कि भवनों का ऑडिट, स्वीकृत नक्शों का सत्यापन, एनओसी तथा अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच एक एहतियाती कदम है ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जनहानि से बचा जा सके।

केवाईसी अपडेट की आड़ में दूसरे के नाम पर लोन लेकर हड़पा, 2 दबोचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

पुलिस की एक टीम द्वारा केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर धोखाधड़ी कर लाखों रुपये का फर्जी लोन कराने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक दर्शन सिंह ने बताया कि 17 मई को बेरी निवासी एक दुकानदार ने शिकायत दी थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन-पे की केवाईसी अपडेट कराने के बहाने उससे आधार कार्ड, पैन कार्ड और ओटीपी की जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद उसके नाम पर 2 लाख 49 हजार रुपये का लोन स्वीकृत कराकर राशि दूसरे बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी गई। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की गई। उन्होंने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग रिकॉर्ड और साइबर विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों पकड़ा गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रविंद्र निवासी गांव खेड़ी बत्तर जिला चरखी दादरी तथा दीपक निवासी चरखी दादरी के तौर पर की गई। आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दादरी के युवकों ने 2 लाख 49 हजार रुपये की धोखाधड़ी की

झज्जर। पकड़े गए फर्जीवाड़े के आरोपी पुलिस टीम के साथ।

ऑनलाइन भुगतान का झांसा देकर 46 हजार का सामान ले गया

बहादुरगढ़। झज्जर मोड़ स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान से ऑनलाइन भुगतान का झांसा देकर 46 हजार रुपये से अधिक का बिजली का सामान ले जाने का मामला सामने आया है। शहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कुमार इलेक्ट्रॉनिक्स के संचालक राजेश कुमार घई ने बताया कि 21 जून की शाम करीब 25 वर्षीय एक युवक उनकी दुकान पर आया। शिकायतकर्ता के अनुसार युवक ने दुकान से 46 हजार 307 रुपये कीमत के बिजली तार के 8 बंडल खरीदे। सामान लेने के बाद उसने कहा कि वह ऑनलाइन भुगतान कर रहा है। युवक करीब 45 मिनट तक सामान के साथ दुकान पर बैठा रहा और बाद में यह कहकर चला गया कि कुछ देर में भुगतान खाते में पहुंच जाएगा। राजेश कुमार ने बताया कि काफी समय बीत जाने के बावजूद उनके बैंक खाते में कोई राशि जमा नहीं हुई। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। शिकायत के आधार पर शहर थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 316 (2) के तहत अभियोग दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच की जा रही है।

बहादुरगढ़। एमआईई क्षेत्र में प्लास्टिक कबाड़ में लगी आग।

एमआईई क्षेत्र में प्लास्टिक कबाड़ में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के आधुनिक औद्योगिक संपदा (एमआईई) क्षेत्र में बुधवार रात अचानक प्लास्टिक कबाड़ में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग से उठने वाले घने काले धुएं ने पूरे इलाके के आसमान को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दूर-दूर तक धुएं का गुबार दिखाई देने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए। प्लास्टिक सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी, जिससे दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद क्षेत्र में धुएं का घना गुबार फैल गया, जिससे आसपास के लोगों को सांस लेने में भी परेशानी हुई।

एहतियात के तौर पर आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई। समाचार लिखे जाने तक दमकल विभाग की टीम आग बुझाने में जुटी हुई थी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रशासन और दमकल विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं।

नहीं लिया सबक : 2 माह पहले जिंदा जल गया था युवक

करीब दो माह पहले भी बहादुरगढ़ में छोटूराम नगर में अवैध रूप से चल रहे पीवीसी कबाड़ के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई थी। इस आग में झुग्गी में सो रहा एक प्रवासी युवक जिंदा जल गया था। इस हादसे के बाद भी सबक नहीं लिया जा रहा और आग की घटनाएं लगातार हो रही हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष का 27 को होगा अभिनंदन

बहादुरगढ़। भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के सम्मान में 27 जून को एचएल सिटी के सभागार में अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। भाजपा के बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र संयोजक दिनेश कौशिक ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद डॉ. अर्चना गुप्ता पहली बार बहादुरगढ़ आ रही हैं। उनके आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। कौशिक ने बताया कि समारोह के दौरान डॉ. अर्चना गुप्ता कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करेंगी। इस दौरान प्रदेश सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों के दौरान किए गए विकास कार्यों पर चर्चा करेंगी। उन्होंने कहा कि डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा का संगठन और सशक्त होगा तथा अधिक से अधिक महिलाएं पार्टी से जुड़ेंगी।

दिनेश कौशिक

घरेलू सहायिका पर घर से जेवर चोरी करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बोड़ा कुआं क्षेत्र में एक परिवार ने अपनी घरेलू सहायिका पर सोने के आभूषण चोरी करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत वीडियो के आधार पर शहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ईमली वाली गली निवासी संदीप शर्मा ने बताया कि उनकी पत्नी ने 14 जून को घर में रखे सोने के आभूषणों की जांच की तो एक पर्स गायब मिला। पर्स में 6 अंगूठियां, एक चेन तथा एक मंगलसूत्र रखा हुआ था। उन्हें घर में काम करने वाली रेखा पर संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए घर में एक कैमरा लगाया और एक छोटे पर्स में चांदी का सामान रखकर स्टोर में रख दिया। संदीप शर्मा का आरोप है कि कैमरे में रिकॉर्ड हुई वीडियो में घरेलू सहायिका पर्स को झाड़ू की मदद से धीरे-धीरे अपनी ओर खिसकाती दिखाई दी और बाद में उसे अपने कपड़ों में छिपाने का प्रयास करती नजर आई। परिवार का कहना है कि जब उन्होंने उसे ऐसा करते हुए देख लिया तो उसने पर्स को वापस डबल बेड पर फेंक दिया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनके घर से गायब हुए सोने के आभूषण भी उसी महिला ने चोरी किए हैं।

अभियान | **प्रदेश सरकार के नशा मुक्त हरियाणा अभियान को लेकर किया जागरूक**

जिले में 126 गांव व 22 वार्ड नशा मुक्त घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

प्रदेश सरकार के नशा मुक्त हरियाणा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को जिला पुलिस द्वारा संवाद भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, सरपंचों, शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि एडीजीपी डॉक्टर राजश्री सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में है और उन्हें नशे व अपराध जैसी बुराइयों से दूर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि युवा सही दिशा में आगे बढ़ेंगे तो एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध समाज का निर्माण संभव होगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इसके अलावा उन्होंने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर भी विशेष जोर दिया। हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो रोहतक के डीआईजी मनबीर सिंह ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने की अपील की।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए एडीजीपी डॉक्टर राजश्री सिंह।

711 नशा पीड़ितों का उपचार करवाया

डीसीपी धारणा यादव ने बताया कि नशा मुक्त अभियान के तहत अब तक 126 गांव और 22 वार्ड नशा मुक्त किए जा चुके हैं। 1003 नशा पीड़ितों की पहचान कर 711 का उपचार और 838 की काउंसलिंग करवाई गई है।

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कुछ समयांतराल पर जब बार-बार हो फीवर

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले एक हफ्ते से शाम ढलते ही मुझे ठंड के साथ बुखार आ जाता है। दवा लेने पर ठीक हो जाता है, लेकिन अगली शाम फिर ऐसा होता है। कृपया बताएं इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-आशुतोष, रायपुर

जैसा आप बता रहे हैं कि आपको रोज शाम को बुखार आ जाता है और दवा लेने के बाद ठीक हो जाता है। इससे ऐसा लग रहा है कि आपको टाइफाइड हो सकता है, लेकिन बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। टाइफाइड को ही मियादी बुखार बोलते हैं, जो एक तय समय पर आता है और उतर जाता है। बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लें। वे जांच करके यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि फीवर होने का कारण क्या है, और फिर उसके बाद ट्रीटमेंट ठीक से हो सकेगा।

मेरी उम्र 35 वर्ष है। मेरी जीभ पर अकसर फफोले निकल आते हैं, जिससे खाने-पीने में काफी तकलीफ होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है और इसे होने से कैसे रोका जा सकता है?

-मनीष, बलौदा बाजार

कई बार इस तरह की समस्याएं अधिक गर्म खाना खाने से होती हैं, अगर ऐसा आप कर रहे हैं तो उसमें बदलाव करें और अधिक गर्म खाना ना खाएं। अगर ऐसा नहीं है तो जरूर आपको एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। वे जांच करने के बाद कारण के बारे में बता पाएंगे। फिलहाल आप अधिक मिर्च-मसाले वाली चीजें बिल्कुल ना खाएं।

मेरी उम्र 62 वर्ष है। 10-15 दिन के अंतराल पर मुझे लूज मोशन या वॉमिटिंग होती है। जिससे काफी कमजोरी महसूस होती रहती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-हरीश, महेंद्रगढ़

जैसा आप बता रहे हैं, इससे लगता है कि आपको डाइजेशन की समस्या है। इसलिए सबसे पहले आप खान-पान में सुधार करें। अधिक तेल और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। साथ ही साफ पानी पिएं। कई बार बाहर का पानी पीने से भी इंफेक्शन हो जाता है, जिससे इस तरह की समस्याएं दिखती है। आप घर से निकलते समय पानी की बोतल लेकर निकलें। इस तरह बदलाव से आपको आराम मिल सकता है। अगर फिर भी आराम ना मिले तो जरूर आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मेरी गर्दन और कंधे पर बार-बार दाद निकल आता है। इसमें काफी ईचिंग होती है। प्लीज बताएं कि इससे कैसे निजात मिलेगी?

-सौरभ, बिलासपुर

जिन लोगों को अधिक पसीना निकलता है और देर तक सूख नहीं पाता है, उनको इस तरह की समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको जहां इचिंग होती है, उस हिस्से में लगातार पसीना पोंछते रहना चाहिए, क्योंकि पसीने की नमी में फंगल इंफेक्शन से ही दाद होती है, जिससे खुजली शुरू होती है। अधिक दिक्कत हो रही हो तो डॉक्टर से संपर्क कर ऑइंटमेंट लिखवा लें, इससे आराम जल्दी से मिल जाएगा।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। मेरे ब्लड टेस्ट में आयरन और विटामिन डी कम है, जबकि विटामिन बी 12 और कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। इसकी क्या वजह हो सकती है? ऐसे में मुझे कैसी डाइट लेनी चाहिए?

-कुलदीप, दुर्ग

विटामिन-डी की कमी शहरों में रहने वाले लोगों को अधिक होती है, क्योंकि उनका धूप में एक्सपोजर कम होता है। अगर आपके साथ भी ऐसा है तो आपको विटामिन-डी और बी-12 की दवा लेनी चाहिए। साथ ही आप बता रहे हैं कि कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है और आयरन कम है। बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें, वे आपको इसकी मेडिसिन बता देंगे। साथ में डाइटिशियन से भी आपको संपर्क कर लेना चाहिए, वो आपका डाइट चार्ट तैयार कर देंगे, जिसके अनुसार आप डाइट लेंगे तो भविष्य में विटामिन-डी, बी-12 और आयरन बैलेंस रहेंगे। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नवदीप सिंह
प्रिंसिपल-इंडस कॉलेज ऑफ नर्सिंग खांडा खेड़ी, हिसार

बहुसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम, जिसे पहले पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के नाम से जाना जाता था, अब वैश्विक सहमति के बाद आधिकारिक रूप से पॉलिएंडोक्राइन मेटाबॉलिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीएमओएस) कहलाया जा रहा है। यह नाम परिवर्तन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि यह स्थिति केवल ओवरी की सिस्ट तक सीमित नहीं, बल्कि बहुग्रंथि (पॉलिएंडोक्राइन) हार्मोनल असंतुलन और व्यापक मेटाबॉलिक गड़बड़ी से जुड़ी लॉन्ग पीरियड बीमारी है।

काफी महिलाएं होती हैं प्रभावित

पीएमओएस आज प्रजनन-आयु की महिलाओं में सर्वाधिक पाए जाने वाले हार्मोनल और मेटाबॉलिक रोगों में प्रमुख माना जा रहा है। उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्य बताते हैं कि विश्व-स्तर पर लगभग हर आठ में से एक महिला इससे प्रभावित हो सकती है, जबकि भारतीय अध्ययनों में इसका प्रचलन कई समुदायों में लगभग 3.7 से 22.5 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से गंभीर चेतावनी है।

ऐसे होता है डायग्नोज

2023 की अंतरराष्ट्रीय साक्ष्य आधारित पीएमओएस गाइडलाइन के अनुसार इस स्वास्थ्य समस्या के निदान के लिए अनियमित या अनुपस्थित ओवुलेशन, एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता के लक्षण तथा अल्ट्रासाउंड में स्पेसिफिक ओवरी इमेज, इन तीन में से कम से कम दो क्राइटेरिया की उपस्थिति आवश्यक मानी जाती है, बशर्ते अन्य कारणों की वैज्ञानिक रूप से जांच कर उन्हें अलग कर दिया गया हो। पीएमओएस को अब केवल एक स्त्री रोग नहीं, बल्कि व्यापक मेटाबॉलिक स्थिति के रूप में स्वीकार किया जा रहा है, जो टाइप 2 डायबिटीज, हाई बीपी, हृदय रोग, फैटी लिवर और कुछ विशिष्ट कैंसरों के बढ़े रिस्क से भी जुड़ी है।

रोग होने के कारण

पीएमओएस के लगातार बढ़ते मामलों के पीछे आनुवंशिक प्रवृत्ति और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसे जैविक कारणों के साथ-साथ आधुनिक जीवनशैली की अनेक अस्वास्थ्यकर आदतें भी जिम्मेदार हैं। इंसुलिन रेजिस्टेंस को पीएमओएस की रोग जनन प्रक्रिया का मेन फैक्टर माना जाता है, जो सामान्य बॉडी मास इंडेक्स (नॉर्मल बीएमआई) वाली महिलाओं में भी पाया जा सकता है। मोटापे और पेट की अधिक चर्बी से यह और अधिक गंभीर हो जाता है। तीव्र शहरीकरण, शारीरिक गतिविधि में कमी, एनर्जीफुल और शुगर रिच डाइट, फास्ट फूड हैबिट, कार्यस्थल और पारिवारिक तनाव, देर रात तक जागने की आदत और अपर्याप्त नींद लेने जैसे कारण, भारतीय शहरी और अर्ध शहरी युवतियों में पीएमओएस होने की आशंका को और बढ़ा रहे हैं।

रोग का उपचार

मेडिकली पीएमओएस का पर्मानेंट ट्रीटमेंट अभी उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसमें संदेह नहीं है कि समुचित मेडिसिनल ट्रीटमेंट और डिसिप्लींड लाइफस्टाइल के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। अधिकांश महिलाएं प्रॉपर लाइफ मैनेजमेंट के साथ नॉर्मल लाइफ जी सकती हैं और मातृत्व सुख भी प्राप्त कर सकती हैं।

हाल के वर्षों में यंग और मिड एज की महिलाओं में पीएमओएस (पूर्व नाम पीसीओएस) की समस्या काफी देखने को मिल रही है। हालांकि इसके पीछे कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अनबैलेंस्ड लाइफस्टाइल की वजह से यह समस्या ज्यादा बढ़ती है। ऐसे में इससे ग्रस्त महिलाओं को बिना चिंता और डर के इसके स्पेशलिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए, ताकि इसे कंट्रोल किया जा सके। इस बारे में यहां दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

सही ट्रीटमेंट-बैलेंस्ड लाइफस्टाइल से पीएमओएस को कर सकते हैं कंट्रोल

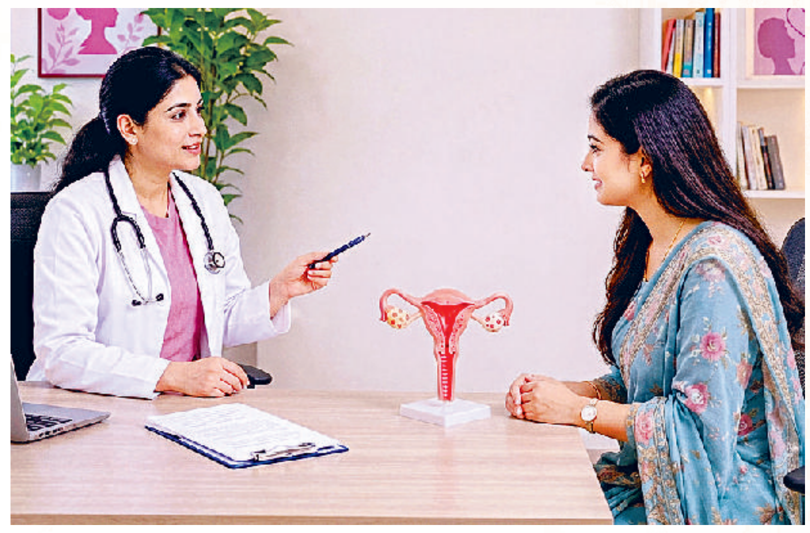

ट्रीटमेंट प्रोसीजर

पीएमओएस के ट्रीटमेंट का प्रोसीजर हमेशा व्यक्तिगत होना चाहिए। इसमें पेशेंट की आयु, उसके प्रमुख लक्षण, मेटाबॉलिक रिस्क और प्रेग्नेंसी की इच्छा जैसे प्वाइंट्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए। पीरियड्स को नियमित करने और एंड्रोजन स्तर को नियंत्रित करने के लिए हार्मोनल गर्भनिरोधी मेडिसिंस या प्रोजेस्टिन, इंसुलिन रेजिस्टेंस और वेट मैनेजमेंट के लिए मेटफॉर्मिन समूह की दवाएं, अनचाहे बाल और मुंहासों के लिए एंटी एंड्रोजन और त्वचा संबंधी उपचार, प्रेग्नेंसी की इच्छा होने पर ओवुलेशन प्रेरित करने वाली दवाएं और आवश्यकता पड़ने पर सहायक रिप्रोडक्शन तकनीक जैसे आज के समय में कई ऑप्शंस उपलब्ध हैं। इन सभी का प्रयोग केवल योग्य स्त्री रोग विशेषज्ञ या एंडोक्राइनोलॉजिस्ट की निगरानी में ही किया जाना चाहिए।

प्रभावी है लाइफस्टाइल मैनेजमेंट

इंटरनेशनल गाइडलाइंस में लाइफस्टाइल मैनेजमेंट यानी जीवनशैली प्रबंधन में विशेष रूप से डाइट, फिजिकल एक्टिविटी और व्यावहारिक परिवर्तन को पीएमओएस का फर्स्ट लेवल ट्रीटमेंट माना गया है। खासकर तब जब पेशेंट का बॉडी वेट सामान्य से अधिक हो। एविडेंस बेस्ड स्टडीज से यह स्पष्ट है कि ओवर बॉडी वेट में मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से भी पीरियड्स की रेग्युलेरिटी, नॉर्मल ओवुलेशन, इंसुलिन सेंसिटिविटी और लिपिड प्रोफाइल में महत्वपूर्ण सुधार प्राप्त किया जा सकता है।

बैलेंस्ड डाइट है लाभकारी

बैलेंस्ड, हाई फाइबर और लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाला डाइट, जिसमें साबुत अनाज, दालें, ताजी सब्जियां, विभिन्न फल, मेवे (ड्राय फ्रूट्स), बीज और स्वस्थ असंतृप्त वसा (हेल्दी अनसैचुरेटेड फैट) शामिल हों, पीएमओएस कंट्रोल करने में विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध हुआ है, जबकि रिफाइंड मैदा, अत्यधिक चीनीयुक्त खाद्य पदार्थ, मीठे पेय, तले-भुने और प्रोसेस्ड फूड्स, इंसुलिन रेजिस्टेंस और निम्न स्तरीय सूजन को बढ़ाते हैं।

महत्वपूर्ण हैं फिजिकल एक्टिविटीज

नियमित शारीरिक गतिविधि, पीएमओएस के लगभग सभी क्लीनिकली रिलेटेड इश्यूज जैसे- बॉडी वेट, पेट की चर्बी, इंसुलिन रेजिस्टेंस, ब्लड प्रेशर, कार्डियो मेटाबॉलिक रिस्क और मेंटल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। उपलब्ध मेटा विश्लेषण, प्रति सप्ताह कम से कम 150 मिनट मीडियम से फास्ट एरोबिक वर्कआउट के साथ सप्ताह में दो या अधिक दिन प्रतिरोधात्मक (रेजिस्टेंस) व्यायाम की सिफारिश करते हैं। संरचित, पर्यवेक्षित व्यायाम कार्यक्रमों (स्ट्रक्चर्ड, सुपरवाइज्ड एक्सरसाइज प्रोग्राम) और उच्च तीव्रता अंतराल प्रशिक्षण (एचआईआईटी) ने कमर की माप, इंसुलिन सेंसिटिविटी और कार्डियो रेस्पिरेट्री फिटनेस में विशेष लाभ दिखाए हैं।

समग्र रूप से पीएमओएस, 'होल पर्सन केयर' की आवश्यकता को रेखांकित करता है, जिसमें जैविक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सभी आयामों को समन्वित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। इसके लिए डॉक्टर्स, नर्सेज और एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल्स को सहानुभूतिपूर्ण परामर्श के माध्यम से यह संदेश देना चाहिए कि पीएमओएस किसी व्यक्तिगत गलती का परिणाम नहीं है। यह कई फैक्टर्स पर निर्भर करने वाली मेडिकल कंडीशन है, जिसे मैनेज-कंट्रोल किया जा सकता है। यदि पेशेंट को समय पर, सही ट्रीटमेंट दी जाए और उसके साथ संतुलित आहार, नियमित व्यायाम तथा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी उपायों को अपनाया जाए तो पीएमओएस के अधिकांश नेगेटिव प्रभावों को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया जा सकता है। *

मेंटल-इमोशनल हेल्थ का रखें ध्यान

आहार और व्यायाम के अतिरिक्त मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य (मेंटल-इमोशनल हेल्थ) पर ध्यान देना भी पीएमओएस (होल पर्सन केयर) प्रबंधन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। तुलनात्मक अध्ययनों में पीएमओएस से प्रभावित महिलाओं में अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (स्ट्रेस), विकृत भोजन आचरण (बैड फूड हैबिट) और नेगेटिव बॉडी इमेज की दर, सामान्य महिलाओं की तुलना में अधिक पाई गई है। इससे उपचार अनुपालन तथा जीवन गुणवत्ता दोनों प्रभावित होती हैं। योग, प्राणायाम, ध्यान और संज्ञानात्मक व्यावहारिक उपचार (कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी) जैसे तरीके तनाव घटाने, नींद सुधारने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। हालांकि उनके रुटीन क्लीनिकल प्रैक्टिस में स्थान को डिफाइन करने के लिए, हाई क्वालिटी रिसर्च की आवश्यकता बनी हुई है।

फिटनेस

संध्या सिंह

इन दिनों के लिए परफेक्ट फिटनेस मंत्रा

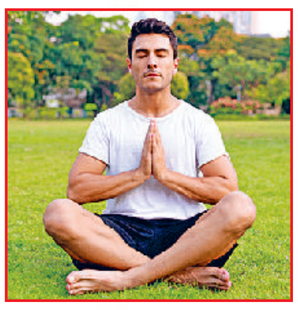

जून महीने के इन अंतिम दिनों में जब जमकर बारिश शुरू नहीं हुई है और वातावरण में उमस भरी बेचैन करने वाली गर्मी है, ऐसे में अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सूर्योदय के समय से कुछ देर बाद तक हल्की शारीरिक गतिविधि करें। दिन के समय हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पीएं। दोपहर 11 से 4 बजे के बीच ज्यादा देर तक लगातार धूप में न रहें।

इन दिनों अगर आप यहां बताए जा रहे नियमों का पालन करें तो पूरी तरह से फिट रह सकते हैं। यह नियम न केवल गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाता है बल्कि पूरी तरह से फिट और एक्टिव रखता है। इन दिनों अगर आप सर्दियों जैसी ही हैवी एक्सरसाइज जारी रखते हैं तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है, लगातार थकान बनी रहती है, चक्कर आने लगते हैं, मांसपेशियों में खिंचाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। इसलिए इस मौसम में फिटनेस का अर्थ केवल कैलोरी बर्न करना नहीं बल्कि शरीर को ठंडा रखना, ऊर्जावान रखना और सुरक्षित रखना भी होता है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें।

सुबह जल्दी व्यायाम करें: इन दिनों बेहतर है कि आप सुबह पांच बजे व्यायाम के लिए तैयार हो जाएं और साढ़े छ-सात बजे तक व्यायाम पूरा कर लें। इस समय तापमान कम तो रहता ही है, शरीर पर अतिरिक्त दबाव भी नहीं पड़ता। इस दौरान तेजगति से चलना, कुछ आसन, प्राणायाम, हल्की स्ट्रेचिंग और साइकिलिंग फिट रहने के लिए पर्याप्त व्यायाम हैं। इस मौसम में भारी जिम वर्कआउट के बजाय कुछ आसन करना बेहतर विकल्प होता है। खास तौर पर ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, शीतली और शीतकारी प्राणायाम इन दिनों शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखते हुए ठंडक प्रदान करते हैं।

पीते रहें पानी: दिन के समय प्यास लगने का इंतजार न करें बल्कि हर 30-40 मिनट में कुछ घूंट पानी पिएं। सादा पानी, नीबू पानी, छाछ, नारियल पानी, बेल या सत्तू का शर्बत इन दिनों शरीर में इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाकर रखते हैं।

हल्का आहार: इस मौसम में फिटनेस बनाए रखने के लिए आहार भी हल्का लेना चाहिए। इसलिए खीरा, ककड़ी, खरबूजा, लौकी, तोरी और दही का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इन दिनों तले हुए, ज्यादा मसाले वाले और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए। *

अवेयरनेस

डॉ. मोलिशा भंडारी
डर्मेटोलॉजिस्ट, पेसिफिक वन हेल्थ हॉस्पिटल, नई दिल्ली

विटिलिगो एक प्रकार की ऑटोइम्यून डिजीज है, जिसमें स्किन कलर को कंट्रोल करने वाले मेलेनोसाइट्स नष्ट होने लगते हैं। इससे व्हाइट स्पॉट्स दिखने लगते हैं। **वर्ल्ड विटिलिगो डे** (25 जून) के अवसर पर जानिए, इससे जुड़ी बहुत इंपॉर्टेंट इंफॉर्मेशंस।

विटिलिगो को कर सकते हैं कंट्रोल

विटिलिगो को सफेद दाग या ल्यूकोडर्मा भी कहते हैं। यह ऐसी बीमारी है, जिसमें त्वचा की रंगत चली जाती है, जिससे सफेद धब्बे बन जाते हैं। विटिलिगो को ऑटोइम्यून बीमारी माना जाता है, जिसका आशय है कि यह समस्या शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा त्वचा की मेलेनोसाइट्स पर हमला करने के कारण होती है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह तब होता है, जब त्वचा में मेलेनिन नामक पिगमेंट बनाने वाली कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

क्या हैं कारण: विटिलिगो के होने का सटीक कारण अज्ञात है। लेकिन कुछ फैक्टर्स इससे रिलेटेड हो सकते हैं।

आनुवंशिक कारक: ऐसे लोगों में विटिलिगो होने की संभावना अधिक होती है, जिनके परिवार में विटिलिगो हो चुका है।

तनाव: कुछ मामलों में अत्यधिक तनाव विटिलिगो को ट्रिगर कर सकता है या इसे और बदतर बना सकता है।

अन्य बीमारियां: थायरॉइड संबंधी समस्याएं, टाइप 1 डायबिटीज और एडिसन रोग आदि भी विटिलिगो की समस्या बढ़ा सकते हैं या उत्पन्न कर सकते हैं।

प्रमुख लक्षण: त्वचा पर सफेद या हल्के रंग के धब्बे शरीर के किसी भी भाग पर हो सकते हैं। आमतौर पर चेहरे, गर्दन, हाथों और पैरों पर सफेद धब्बे अधिक दिखाई देते हैं। धब्बे आमतौर पर शरीर के दोनों तरफ दिखाई देते हैं। त्वचा का रंग पैच में बदल जाता है। ऐसे लक्षण दिखने पर डर्मेटोलॉजिस्ट से मिलें।

इलाज के बारे में: विटिलिगो का स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन विभिन्न उपचार विधियों से इस त्वचा रोग को नियंत्रित व प्रबंधित किया जा सकता है, जिनसे त्वचा के रंग को वापस लाया जा सकता है। विटिलिगो के उपचार के विकल्पों में शामिल हैं-

टॉपिकल उपचार: विशेषज्ञ डॉक्टर आमतौर पर टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' या नॉन-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसेंट आदि से उपचार शुरू करते हैं। टॉपिकल 'कार्टिकोस्टेरॉयड्स' दवाएं सूजन को कम करने और त्वचा के रंग को वापस लाने में मदद करती हैं। वहीं गैर-स्टेरॉयडल दवाएं, लंबे समय तक उपयोग के लिए बेहतर होती हैं, क्योंकि स्टेरॉयड्स की तुलना में उनके कम दुष्प्रभाव होते हैं, खासकर बच्चों के लिए या शरीर के संवेदनशील भागों के उपचार में।

फोटोथेरेपी: इस थेरेपी के अंतर्गत विशेष प्रकाश किरणों का उपयोग करके त्वचा के विकारों या खामियों को दूर किया जाता है।

दवाएं: अतीत में उपचार के विकल्प काफी कम थे, लेकिन अब ओरल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स से लेकर नए गैर-स्टेरॉयडल इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉड्युलेटरी दवाओं की लॉन्ग रेंज दवाएं उपलब्ध हैं। दवा का चयन पूरी तरह से त्वचा रोग विशेषज्ञ पर निर्भर करता है। इन दवाओं को नियमित रूप से लेना जरूरी है।

सर्जिकल प्रोसेस: अनेक मामलों में सर्जरी का उपयोग किया जा सकता है, जहां अन्य उपचार असरदार नहीं होते। स्थिर विटिलिगो वाले मरीजों के लिए, पंच ग्राफ्टिंग, सक्शन ब्लिस्टर ग्राफ्टिंग और एडवांस्ड नॉन-कल्चर्ड मेलेनोसाइट सस्पेंशन तकनीक सहित कई सर्जिकल उपचार उपलब्ध हैं। ये सभी प्रोसेस काफी कारगर हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

गलतफहमियों से रहें दूर

मिथ: एक गंभीर बीमारी है विटिलिगो।
तथ्य: विटिलिगो गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन यह व्यक्ति के शारीरिक सौंदर्य को प्रभावित कर सकती है।
मिथ: विटिलिगो एक संक्रामक रोग है।
तथ्य: विटिलिगो संक्रामक नहीं है। इस कारण यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।
मिथ: विटिलिगो कैंसर का कारण बनता है।
तथ्य: विटिलिगो का कैंसर से कोई संबंध नहीं है।
मिथ:विटिलिगो केवल गोरी त्वचा वाले लोगों को होता है।
तथ्य: विटिलिगो किसी भी उम्र या किसी भी रंग की त्वचा वाले व्यक्ति को हो सकता है।

प्रिकॉशन

डॉ. मोनिका शर्मा

केवल डायबिटीज के पेशेंट्स ही नहीं कई हेल्थ कॉन्शस लोग भी आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का इस्तेमाल करने लगे हैं। कई शुगरफ्री प्रोडक्ट्स में भी इनका यूज किया जा रहा है। लेकिन एक रिसर्च स्टडी में इसके अधिक सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया है।

हार्मफुल हो सकता है आर्टिफिशियल स्वीटनर

अब से कुछ समय पूर्व 'जर्नल फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन' में छपे चिली विश्वविद्यालय की प्रमुख शोधकर्ता फ्रांसिस्का कानचा सेल्यू के नेतृत्व में हुए शोध के परिणाम आर्टिफिशियल स्वीटनर्स के इस्तेमाल को लेकर चेताने वाले हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार समाज में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का इस्तेमाल बढ़ने के बावजूद मोटापा और इंसुलिन रेजिस्टेंस जैसी समस्याएं कम नहीं हो रही हैं। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं द्वारा हर पीढ़ी का 'ग्लूकोज ओरल टॉलरेंस टेस्ट' किया गया।

क्या कहती है रिसर्च: इस टेस्ट से डायबिटीज का एक चेतावनी संकेत माने जाने वाले इंसुलिन प्रतिरोध का पता चलता है। साथ ही आंतों के स्वास्थ्य से जुड़े माइक्रोबायोम और 'शॉर्ट चेन फैटी एसिड' के स्तर की जांच के परिणाम भी हैरान-परेशान करने वाले रहे। चूहों को लेकर किए गए इस अध्ययन में आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का असर अगली पीढ़ी तक देखा गया। अध्ययन में स्पष्ट रूप से देखा गया कि मां द्वारा आर्टिफिशियल स्वीटनर्स के सेवन से बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध और मेटाबॉलिज्म से जुड़ी बीमारियां विकसित हो सकती हैं। आंतों के स्वास्थ्य और जीन पर आर्टिफिशियल स्वीटनर्स का बुरा असर पड़ा, जो कि एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ट्रांसफर हो गया। प्रमुख लेखिका फ्रांसिस्का कानचा स्पष्ट करती हैं कि इस अध्ययन का मतलब यह नहीं है कि सभी मेटाबॉलिक बीमारियों की इकलौती जड़ सिर्फ मिठाइयां या आर्टिफिशियल स्वीटनर हैं, लेकिन यह अध्ययन इस बात पर एक बड़ा सवाल जरूर उठाता है कि क्या ये 'शुगर-फ्री' विकल्प हमारे मेटाबॉलिज्म को उन तरीकों से नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिन्हें विज्ञान अभी तक पूरी तरह से समझ ही नहीं पाया है।

सवाल से जुड़ी सजगता: इस शोध अध्ययन से जुड़ा यह सवाल आम लोगों की सजगता से भी जुड़ा है। मीठे की जगह आर्टिफिशियल स्वीटनर इस्तेमाल करने को लेकर बेहतर स्वास्थ्य से जुड़ा लाइफस्टाइल बदलाव, कहीं नुकसानदेह तो नहीं? वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की रिसर्च एजेंसी इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के अनुसार भी आर्टिफिशयल स्वीटनर यानी एस्पार्टेम, कैंसर का जोखिम पैदा कर सकता है। इसीलिए एस्पार्टेम, जिसे आम भाषा में शुगर-फ्री कहा जाता है, के इस्तेमाल में सजगता आवश्यक है, क्योंकि यह डाइट कोला, कोल्ड ड्रिंक्स, च्यूइंगम और कई तरह की शुगर-फ्री मिठास सभी में पाया जाता है। खासकर 95 प्रतिशत कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक में तो स्वीटनर के तौर पर एस्पार्टेम का ही उपयोग होता है। कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के अध्ययन से जुड़ी विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस एजेंसी ने नकली मिठास के इस्तेमाल के संभावित असर का आकलन करने के बाद लोगों को चेताया है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट में एस्पार्टेम के यूज को व्यक्तियों के लिए कैंसरकारी चीजों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। यही वजह है कि आर्टिफिशियल स्वीटनर्स को आम दिनचर्या में खान-पान का हिस्सा बनाना बेहद खतरनाक हो सकता है।

शुरुआत में डायबिटीज जैसी कुछ समस्याओं के मरीजों को ही नकली मीठे के इस्तेमाल की सलाह दी गई थी, पर बहुत सारे पूरी तरह से फिट और एक्टिव लोग भी इनका इस्तेमाल करने लगे हैं। घर हो या बाहर आर्टिफिशियल स्वीटनर्स वाले फूड आइटम खाना या पीना उन्हें अपनी सेहत सहेजने का तरीका लगने लगा है। जरूरी है कि इनके सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत रहा जाए।

बेहतर विकल्प ढूंढ़ें: कुछ समय पहले डब्लूएचओ ने अपनी गाइडलाइन में कहा था कि आर्टिफिशियल स्वीटनर का उपयोग हृदय रोग और डायबिटीज का खतरा बढ़ा सकते हैं। इसीलिए जरूरी है कि इनके बेहतर विकल्प तलाशे जाएं। कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी, गन्ने का जूस, नीबू पानी आदि सेवन करने की आदत बनाना चाहिए। घरेलू कुकिंग में भी शुगर की जगह गुड़, शहद और खजूर जैसी चीजों का इस्तेमाल करना सही है। घर पर बने खाने को प्राथमिकता देना भी सेहत सहेजने वाला कदम है। *

खबर संक्षेप

हत्यारोपित पुत्र गिरफ्तार अदालत ने जेल भेजा

खरखौदा। खरखौदा थाना पुलिस ने पिता की हत्या के मामले में आरोपित पुत्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गांव थाना कलां निवासी ब्रह्मदास के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 23 जून को रामपाल निवासी गांव थाना कलां ने शिकायत दी थी कि सुबह उसे अपनी ताऊ की बेटी का फोन आया, जिसने बताया कि उसका भाई ब्रह्मदास उनके पिता के साथ कमरे में मारपीट कर रहा है। सूचना मिलने पर वह गांव पहुंचा तो उसके पिता कमरे के फर्श पर मृत अवस्था में पड़े मिले। उनके शरीर पर चोटों के कई निशान थे और खून भी बहा हुआ था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई ब्रह्मदास ने ही उनके पिता की हत्या की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच अधिकारी उपनिरीक्षक हरि प्रकाश ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पैक्स की आम सभा की बैठक 29 जून को

खरखौदा। दि खरखौदा प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पैक्स) लिमिटेड की आम सभा की बैठक 29 जून को आयोजित की जाएगी। समिति के प्रबंधक रमेश चंद्र देशवाल ने बताया कि बैठक में पैक्स की आगामी योजनाओं और विकास कार्यों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि 29 जून से 6 जुलाई तक मनाए जाने वाले सहकारिता सप्ताह के आयोजन को लेकर भी बैठक में विचार-विमर्श किया जाएगा। समिति के सदस्यों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया है।

गोमाता के सम्मान में 28 को निकलेगी पदयात्रा

सोनीपत। भोले बाबा आश्रम के प्रमुख सुनील बैरागी उर्फ भोले बाबा ने बताया कि 28 जून को गौमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए जनजागरण पदयात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा बहादुरगढ़ मेट्रो स्टेशन स्थित ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम से शुरू होकर टाटा एस यूनियन, सेक्टर-9 मोड़ तक जाएगी। यात्रा का उद्देश्य गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने, गौवंश की रक्षा और उनके संरक्षण के लिए सख्त कानून बनाए जाने की मांग को जन-जन तक पहुंचाना है। सुनील बैरागी ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में शामिल होकर गौ संरक्षण अभियान को समर्थन देने की अपील की।

महिला का पर्स छीनकर युवक फरार, दी शिकायत

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर गांव कुमासपुर के पास जुरासिक पार्क के सामने बाइक सवार झपटमारों ने पंचायती राज विभाग के सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता की पत्नी को निशाना बना लिया। कार का टायर पंक्चर होने का झांसा देकर वाहन रुकवाया गया और मौका मिलते ही महिला के हाथ से नकदी व दस्तावेजों से भरा पर्स झपटकर आरोपी फरार हो गए। बहालगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुरुक्षेत्र के सेक्टर-7 निवासी रामशरण कलसी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पंचायती राज विभाग से कार्यकारी अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं।

एमडीयू की स्नेहा एयर फोर्स में बनी अफसर

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (मदवि) के अंग्रेजी विभाग की भूतपूर्व छात्रा तथा तथा दो हरियाणा (गर्ल्स) बटालियन, एनसीसी (रोहतक) की कैडेट स्नेहा हुड्डा का चयन भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के फ्लाइंग (पायलट) ब्रांच में बतौर अधिकारी हुआ है। बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने स्नेहा हुड्डा को इस गौरवमयी उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी तथा सम्मानित किया। स्नेहा ने महर्षि विश्वविद्यालय तथा प्रदेश का नाम रोशन किया है। उनकी इस गौरवशाली उपलब्धि से लड़कियों को भारतीय सशस्त्र सेना में करियर बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

कटों से अचानक निकलने वाले वाहन बन सकते हैं बड़े हादसों का कारण

राष्ट्रीय राजमार्गों पर अवैध कटों की भरमार, हादसों का खतरा

कई स्थानों पर वाहन चालक नियमों को ताक पर रखकर कर रहे ड्राइविंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। झज्जर-सांपला मार्ग पर नहर के नजदीक बना अवैध कट। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनाए गए अवैध कट अब लोगों की जान के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। हाई-वे पर जगह-जगह बने इन अवैध कटों के कारण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बढ़ रही है। कई स्थानों पर वाहन चालक नियमों को ताक पर रखकर सीधे हाई-वे पर चढ़ जाते हैं, जिससे तेज रफ्तार वाहनों के साथ टक्कर की संभावना बनी रहती है। कई बार सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में भी राष्ट्रीय राजमार्गों पर बने अवैध कटों को तत्काल बंद करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोग अपनी सुविधा के लिए मनमाने तरीके से इनका उपयोग कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि कई बार इन अवैध कटों के कारण दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। खासकर रात के समय इन कटों से अचानक निकलने वाले वाहन बड़े हादसों का कारण बन सकते हैं। सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में भी संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए थे कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर मौजूद सभी अवैध कटों की पहचान कर उन्हें तत्काल बंद कराया जाए। इसके बावजूद धरातल पर इन निर्देशों का असर दिखाई नहीं दे रहा है।

झज्जर। आंबेडकर चौक पर टूटे पेयजल सप्लाई के कनेक्शन दिखाते हुए लोग।

आंबेडकर चौक पर टूटी पाइपलाइन से हो रही पेयजल की बर्बादी

- पेयजल आपूर्ति के दो कनेक्शन टूटने के कारण पिछले तीन-चार महीनों से है परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर के आंबेडकर चौक स्थित रिहायशी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति के दो कनेक्शन टूटने के कारण पिछले तीन-चार महीनों से स्वच्छ पेयजल की लगातार बर्बादी हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या की जानकारी होने के बावजूद अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह रहा है। दुकानदार मनीष मेहता, अशोक डोगरा, टिंकू आदि ने बताया कि मुख्य पेयजल सप्लाई लाइन से कुछ कनेक्शन अंदर की गलियों में जाते हैं जो सड़क से बाहर निकले हुए हैं। करीब तीन-चार माह पहले दो कनेक्शन क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसके बाद पाइपों से तेज गति से पानी निकलने लगा। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका कि कनेक्शन किस उपभोक्ता का है, जिसके चलते किसी ने भी इसकी मरम्मत कराने की पहल नहीं की। स्थानीय निवासी सतीश, महेश, टिंकू, भारत, धर्मेंद्र, हरीश आदि ने बताया कि जलापूर्ति के समय टूटी पाइपलाइन से पानी की तेज धार निकलती रहती है।

इतना ही नहीं, सप्लाई बंद होने के बाद भी पूरे दिन पानी का रिसाव जारी रहता है। इससे न केवल पेयजल की बर्बादी हो रही है, बल्कि आसपास के क्षेत्र में जलभराव की समस्या भी उत्पन्न हो रही है। क्षेत्रवासियों ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग से मांग की है कि अधिकारियों और कर्मचारियों को मौके पर भेजकर स्थिति का निरीक्षण कराया जाए तथा क्षतिग्रस्त कनेक्शनों की शीघ्र मरम्मत कर स्वच्छ पेयजल की हो रही बर्बादी को रोका जाए।

रजिस्ट्रियां रद्द, अब पावर ऑफ अटार्नी निरस्त कराने की मांग को लेकर डीसी से मिले पीड़ित भूमि मालिक

- डीसी से मुलाकात करते हुए लगाई न्याय की गुहार
- पुलिस कमिश्नर से आरोपियों की गिरफ्तारी मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

फर्जी दस्तावेजों और नकली पहचान पत्रों के माध्यम से पुश्तैनी जमीन हड़पने मामले में प्रशासनिक स्तर पर रजिस्ट्रियां रद्द किए जाने के बाद पीड़ित भूमि मालिकों ने अब पॉवर ऑफ अटार्नी भी निरस्त किए जाने की मांग की है। जिसके चलते उन्होंने बुधवार को डीसी से मुलाकात करते हुए अपनी मांग उठाई। पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस कमिश्नर से मुलाकात कर आरोपियों की गिरफ्तारी करने की भी बात कही है। बता दें कि पीड़ित परिवार के सदस्यों को इस धोखाधड़ी का पता उस समय चला था जब परिवार का एक सदस्य बीती 22 मई को अपनी जमीन की फर्द जमाबंदी निकलवाने के लिए पटवार भवन पहुंचा था। पीड़ित परिवार के सदस्यों ने इस संबंध में डीसी को शिकायत सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने और कथित फर्जी रजिस्ट्री को रद्द करने की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसी ने जांच के आदेश दिए थे। जांच में अनियमितताएं मिलने पर संबंधित विवादित रजिस्ट्रियां रद्द कर दी गईं।

शिकायतकर्ताओं कृष्ण कुमार, रामकुमार, बलजीत, अमरजीत, सरजीत व बिमला देवी ने बताया था कि उनकी कृषि भूमि मौजा झज्जर में रेलवे स्टेशन के नजदीक है। परिवार के अनुसार उक्त जमीन विभिन्न खेवट और खाता नंबरों में दर्ज है तथा लगभग 8 कनाल 19 मरले से अधिक हिस्सेदारी उनकी है। परिवार के सदस्य बलजीत ने बताया था कि बीती 22 मई को वह अपनी जमीन की फर्द जमाबंदी निकलवाने के लिए पटवार भवन गया था। वहां रिकॉर्ड की जांच के दौरान उसे पता चला कि उनकी जमीन की रजिस्ट्री पहले ही किसी अन्य व्यक्ति के नाम कराई जा चुकी है। जांच करने पर उन्हें जानकारी मिली कि शिमला, हिमाचल प्रदेश में कथित तौर पर फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड और जाली हस्ताक्षरों के आधार पर एक नकली मुख्त्यारनामा तैयार कराया गया।

इंतकाल पर रोक लगाने की मांग की थी

इसी कथित फर्जी मुख्त्यारनामे के जरिए जमीन की रजिस्ट्री कराई गई। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मांग की थी है कि संबंधित रजिस्ट्री संख्या 3591 को फर्जी मानते हुए तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए और उसके इंतकाल पर रोक लगाई जाए। इसके अलावा मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने के आरोप में कानूनी कार्रवाई की जाए।

बीएस-1 से बीएस-4 ट्रक-बस मालिकों को मिलेगा नया सफर योजना का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जिला परिवहन अधिकारी एवं प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव ने जिले में पंजीकृत बीएस-1, बीएस-2, बीएस-3 एवं बीएस-4 मानक के ट्रक और बस मालिकों से केंद्र सरकार की नया सफर/परिवर्तन योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है। यह योजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले व्यावसायिक वाहनों को आधुनिक एवं कम प्रदूषण वाले वाहनों से बदलने के उद्देश्य से लागू की गई है।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि योजना के तहत एनसीआर में पंजीकृत ऐसे ट्रक अथवा बस मालिक पात्र होंगे, जिनके वाहन बीएस-4 या उससे पूर्व के उत्सर्जन मानकों के अनुरूप हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य पीएम-2.5, पीएम-10, नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे प्रदूषकों के उत्सर्जन में कमी लाना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत नए बीएस-6, सीएनजी अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर राज्य सरकार द्वारा 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर तथा पंजीकरण शुल्क में छूट प्रदान की जाएगी। वहीं प्रयुक्त बीएस-6 वाहनों की खरीद पर 50 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट मिलेगी। इसके अतिरिक्त वाहन निर्माता कंपनियों द्वारा नए वाहन की खरीद पर 8 प्रतिशत तक अग्रिम छूट भी उपलब्ध कराई जाएगी।

यह हैं पात्रता के नियम

योजना के अंतर्गत डीजल और सीएनजी वाहनों के लिए पांच वर्षों तक 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान तथा मासिक ईंधन वाउचर की सुविधा दी जाएगी। वहीं इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर वाहन श्रेणी के अनुसार 64 हजार रुपये से लेकर 2.56 लाख रुपये तक का एकमुश्त प्रोत्साहन लाभ मिलेगा। बीएस-3 अथवा उससे पुराने वाहनों को अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र में ही स्क्रैप कराना अनिवार्य होगा, जबकि बीएस-4 वाहनों को स्क्रैप कराने के अलावा एनसीआर से बाहर गैर-एनसीआर क्षेत्रों में बेचा भी जा सकता है।

गणना प्रपत्र भरकर वापिस बीएलओ को दें वोटर : डीसी

- मतदाता फॉर्म वितरण, प्राप्त जानकारी और अपडेट प्रक्रिया को लेकर जरूरी निर्देश दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र वितरण कार्य जारी है। ऐसे में सभी नागरिक गणना प्रपत्र में सटीक जानकारी भरने के बाद तुरंत आपके बीएलओ को वापिस लौटाएं। यह प्रक्रिया 14 जुलाई तक चलेगी। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि सभी सुपरवाइजर अपने-अपने अधीनस्थ बीएलओ को गणना प्रपत्र वितरण के साथ साथ प्रपत्रों का डिजिटलीकरण के लिए प्रेरित करें, ताकि कार्य निर्धारित समय पर पूर्ण हो सके। उन्होंने मतदाता फॉर्म वितरण, प्राप्त जानकारी और अपडेट प्रक्रिया को लेकर जरूरी निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि नागरिक एसआईआर प्रक्रिया को लेकर किसी भी प्रकार के भ्रम में न आएं और बीएलओ द्वारा दिए जा रहे फॉर्म में अपनी पूरी व सही जानकारी भरकर वापिस बीएलओ को देकर उनका सहयोग करें।

विशेष गहनता पुनरीक्षण अभियान में मतदाताओं से किया सहयोग का आह्वान

- लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदाताओं की सुविधा और सहयोग को बताया सर्वोपरि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मतदान केंद्र पर एसआईआर प्रक्रिया का जायजा लेते भूपेंद्र राठी।

इनेलो नेता भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदाताओं का सहयोग किया। उन्होंने इनेलो कार्यकर्ताओं से कहा कि वे एसआईआर प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदाताओं की सुविधा और सहयोग सर्वोपरि है। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि सही जानकारी प्राप्त करें, अपनी स्थिति समझें और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करें। सभी इस अभियान में अपने सक्रिय सहयोग और भागीदारी को सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता सूची पूर्णतः प्रमाणित, सत्यापित और त्रुटिहीन तैयार हो सके।

निजी क्लीनिक में दवा देने के बाद मासूम की मौत

निजी चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

सोनीपत। गुड़मंडी स्थित एक निजी क्लीनिक में उपचार के दौरान सात माह के मासूम बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने चिकित्सक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए सिटी थाना पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा और उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। रोहतक के गांव अस्थल बोहर निवासी वीरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी गायत्री इन दिनों वेस्ट राम नगर स्थित अपने मायके में रह रही थी। उनके सात माह के बेटे शिवांश को दस्त की शिकायत होने पर गायत्री उसे उपचार के लिए गुड़मंडी स्थित एक निजी क्लीनिक में लेकर गई थीं। परिजनों का आरोप है कि जांच के बाद चिकित्सक ने बच्चे को एक गोली दी और पानी पिलाया। दवा देने के कुछ ही समय बाद मासूम की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उसकी सांसें उखड़ने लगीं और शरीर नीला पड़ गया। मां की गोद में ही बच्चा बेसुध हो गया। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर है। पीड़ित पिता ने चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को शिकायत सौंपी है।

परिजनों ने पुलिस को दी शिकायत

सिटी थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शिकायत प्राप्त हो चुकी है, लेकिन अभी प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट होंगे, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई और मामला दर्ज करने पर निर्णय लिया जाएगा।

मां की गोद में मासूम की सांसें थम गईं

परिजनों का कहना है कि वे बच्चे को ठीक कराने के लिए क्लीनिक लेकर गए थे, लेकिन दवा देने के कुछ ही मिनट बाद उसकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने से पहले ही मां की गोद में मासूम की सांसें थम गईं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सुंदर कांड पाठ में हनुमान जी की महिमा का किया गुणगान

बाबा तेरे जैसा राम भक्त न हुआ न होगा मतवाला..भजन पर भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

सुंदरकांड वाचक योगेश रंजन ने हनुमान की लीलाओं से भक्तों को प्रभु की भक्ति के रंग में रंग दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। बाबा कांशीगिरी मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

बाबा कांशीगिरी महाराज मंदिर में 309 वें सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सुंदरकांड वाचक योगेश रंजन, पंडित विजय भारद्वाज, भारत भूषण नंदा, हरीश अरोड़ा, गीतांशु चावला, दिनेश दुजाना, सुरेश गाबा, रमेश लखेरा, केवल अरोड़ा, शिवम तनेजा, सुभाष वर्मा, आनंद कुमार, दीपक धीमान, आंचल सेठी, सुमन वधवा, नारायणी सरदाना, नीलम गाबा, सोनिया मल्होत्रा, प्रिया तनेजा, सीमा तनेजा, वीणा वर्मा, हिमांशी अरोड़ा, शीला देवी चुघ, संतोष हंस, पूनम छाबड़ा सहित श्रद्धालुओं ने संगीतमयी श्री सुंदरकांड पाठ का सामूहिक गायन किया। वहीं राजेंद्र वधवा, हरीश अरोड़ा ने आज मंगलवार है, महावीर का वार है, ये सच्चा दरबार है, सच्चे मन से जो कोई ध्यावे उसका बेड़ा पार हैं.. योगेश रंजन ने सिंदूर चढ़ाने से हर काम होता हैं, हनुमान को खुश करना आसान होता हैं..ताराचंद भूटानी ने लेने आना रिंग्स के उस मोड़ पे.. बाबा तेरे जैसा राम भक्त न हुआ न होगा मतवाला..भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर समिति के प्रधान सुधांशु हंस, पदम खट्टर, वेद बहल पाशु, वी के शर्मा, प्रदीप काठपालिया, सुंदर वर्मा, सेवक अर्पित, सुभाष वर्मा, तरुण आहूजा, वीरभान वर्मा, मास्टर हंसराज, सतीश चुघ, मनोहर लाल, हेमंत, भवित, सक्षम वर्मा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

लाखों की नकदी व जेवरात चोरी

सोनीपत। गांव थरिया में चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी और सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। वारदात उस समय हुई, जब परिवार के सदस्य घर के भीतर सो रहे थे।

बेदखली सूचना

मैं रामबीर पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव सांखोल, तहसील बहादुरगढ़ जिला झज्जर हरियाणा ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र रवि सांगवान व उसकी पत्नी सीमा दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं इन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इन दोनों से लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

शपथकर्ता

खबर संक्षेप

जौहरी नगर में लगाई छबील

बहादुरगढ़। बुधवार को शहर के जौहरी नगर में दुकानदार राकेश भारद्वाज ने छबील लगाकर राहगीरों व कॉलोनी वासियों को शरबत युक्त मीठा पानी पिलाया। छबील में उनके साथ सुमेश, मोनिका, हिमांशी, पूर्ण, जय, अंकुश आदि ने जल वितरण में सहयोग किया।

गांव खैरपुर से घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

बहादुरगढ़। गांव खैरपुर निवासी एक युवक की मोटरसाइकिल घर के बाहर से चोरी होने का मामला सामने आया है। पुलिस को दी शिकायत में खैरपुर निवासी निखिल ने बताया कि उसने 22 जून की रात अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल घर के सामने गली में खड़ी की थी। अगले दिन सुबह उठकर देखा तो बाइक वहां नहीं थी। शिकायत के आधार पर थाना सदर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

झज्जर। डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि बच्चों की प्रतिभा को पहचान दिलाने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार-2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार के लिए पात्र बच्चे आगामी 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

अरुण खत्री ने 1.02 लाख रुपये का सहयोग दिया

देवीदत्त बगीची में शिव परिवार की पुनः स्थापना, श्रद्धालु उमड़े

श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के लाइनपार स्थित देवीदत्त बगीची में श्री शिव सेवा समिति द्वारा भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण खत्री ने अपनी नेक कमाई से 1 लाख 2 हजार रुपये का सहयोग किया। श्री शिव सेवा समिति द्वारा मंदिर परिसर में शिव परिवार, शीतला माता एवं शनि देव की पुनः स्थापना की गई। सुबह वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन हुआ। इसके बाद पूरे वार्ड में परिक्रमा की गई। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान शिव का जलाभिषेक किया, गणेश भगवान, शीतला माता, शनि देव की पूजा-अर्चना की। भजन-कीर्तन और मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण खत्री ने सपरिवार भगवान शिव का विधिवत पूजन किया और सबकी सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। अरुण के बेटे अचल खत्री व पत्नी वैशाली खत्री ने सभी श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारों के साथ धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

बहादुरगढ़। हवन में आहूति डालते अरुण खत्री व अन्य लाइनपार निवासी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उमेद खत्री, कमला खत्री, देवेंद्र खत्री, कविता खत्री, रमेश चंद्र देशवाल, सुनीता, मंजीत पाराशर, संजय पंडित, कमलजीत छिकारा, राजीव पंडित, नवीन जून, नवीन खत्री, देवराज, सीटू पंडित, दयानंद जांगड़ा, सुनील दलाल, जगदीश फौजी, महेंद्र कादयान, संजय गुप्ता, राजपाल यादव, रामफल, राहुल भारद्वाज, राजेश, डॉ. एसके मालिक, अरुण पाराशर, प्रमोद पुजारी, नवीन वत्स, गोविन्द उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

तीन दिवसीय महेश नवमी महोत्सव संपन्न

बहादुरगढ़। शहर के माहेश्वरी भवन में माहेश्वरी समाज द्वारा वंशोत्पत्ति दिवस अर्थात महेश नवमी पर 3 दिवसीय भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी युवा संगठन व माहेश्वरी महिला संगठन के विशेष सहयोग से हुए कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों ने प्रेम और भाईचारे के साथ प्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव की शुरुआत पहले दिन सुंदरकांड पाठ से हुई। भक्तिभाव से गाए गए सुंदरकांड में समाज के सैकड़ों बंधुओं ने भाग लिया। पाठ के पश्चात सभी को प्रसाद वितरित किया गया। दूसरे दिन प्रातः महेश वंदना और गुरु पूजा के उपरांत ध्यान, योगाभ्यास और पंचकोश ध्यान लगाया गया। आर्ट ऑफ लिविंग की टीम के सहयोग से आयोजित इस सत्र में यश दलाल, सिद्धार्थ, अविरल, अनुज के अलावा लावण्या खटोड ने अहम भूमिका निभाई। महोत्सव का समापन तीसरे दिन महेश नवमी शोभायात्रा के साथ हुआ। शोभायात्रा रघुनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई माहेश्वरी भवन पहुंची। शोभायात्रा में भगवान महेश की झांकी, बैंड-बाजे और भजन मंडलियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम के पश्चात सामूहिक भोज का आयोजन हुआ।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान पूजा-अर्चना करते माहेश्वरी समाज के लोग।

नशामुक्ति अभियान के 8वें दिन बनाए पोस्टर

नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक विकास में सबसे बड़ी बाधा

बहादुरगढ़। प्रतियोगिता में बनाए पोस्टर दिखाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में चल रहे नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत आठवें दिन छात्राओं के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक एवं संदेशपरक पोस्टर तैयार किए।

प्राचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक विकास में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा, अनुशासन और स्वस्थ जीवन के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपना ध्यान पढ़ाई, खेलकूद तथा व्यक्तित्व विकास की गतिविधियों पर केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा ही नशामुक्त और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नशामुक्ति सेल की प्रभारी डॉ. शालू शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में तैयार किए गए पोस्टरों का मूल्यांकन किया जाएगा तथा इसके परिणाम 26 जून को नशामुक्ति अभियान के समापन अवसर पर घोषित किए जाएंगे।

ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय में नैतिक मूल्यों पर लगाया कैंप

बहादुरगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सेक्टर-9 शाखा में चार दिवसीय समर कैंप आयोजित किया गया। इसमें बच्चों को नैतिक मूल्यों पर आधारित अनेक एक्टिविटी करवाई गई। आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग, सिंगिंग व डांसिंग में लगभग 70 बच्चों ने भाग लिया। बीके रेणु दीदी ने सभी बच्चों को बताया कि राजयोग का अभ्यास करने से हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा आती है। जिससे हम अपनी एकाग्रता की शक्ति को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जीवन में दुआओं का बहुत महत्व है। बीके प्रीति दीदी ने सभी बच्चों को राजयोग का अभ्यास कराया। कैंप के आयोजन में सुदेश बहन, रीटा बहन, ममता बहन, उषा बहन, सोनिया बहन, लवकेश भाई, नीरज भाई, दिलखुश भाई, कृष्णा भाई, जतिन भाई, महेश भाई व सीमा बहन ने भी अ सहयोग दिया। बच्चों के अभिभावकों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

बहादुरगढ़। समर कैंप में बच्चों के साथ बीके रेणु दीदी। फोटो : हरिभूमि

इस्सरहेड़ी में ट्रांसफार्मर और केबल चोरी

बहादुरगढ़। गांव इस्सरहेड़ी में बिजली निगम के दो ट्रांसफार्मरों और करीब 600 मीटर एलटी एबी केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के एसडीओ शिवराज सिंह की शिकायत पर थाना सदर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में एसडीओ शिवराज सिंह ने बताया कि लाइन स्टाफ की रिपोर्ट के अनुसार 21 जून को इस्सरहेड़ी में स्थापित 25 केवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मरों की लोकेशन से लगभग 600 मीटर एलटी एबी केबल चोरी पाई गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद विभागीय कर्मचारियों ने आसपास क्षेत्र में पूछताछ और तलाश की, लेकिन चोरी हुई सामग्री का कोई सुराग नहीं लग सका। शिकायत के अनुसार चोरी हुई सामग्री में अत्तर सिंह के खेत के पास लगा 25 केवीए ट्रांसफार्मर, डेयरी वाला मस्तनाथ के पास स्थापित 25 केवीए ट्रांसफार्मर तथा लगभग 600 मीटर एलटी एबी केबल शामिल है।

थाना सदर पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303 के तहत अभियोग दर्ज कर लिया है।

उद्योगों में आग से बचने के मानकों का पालन करें: गर्ग

बहादुरगढ़। बैठक में अग्निकांडों पर चर्चा करते कोबी पदाधिकारी।

- लखनऊ अग्निकांड में बच्चों की मौत पर कोबी ने जताया दुख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने जिले के सभी उद्योगों, व्यापारिक एवं व्यावसायिक संस्थानों से सुरक्षा मानकों के प्रति पूर्णतः जागरूक एवं सतर्क रहने का अनुरोध किया है। कोबी पदाधिकारियों के अनुसार लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड में अनेक मासूम एवं होनहार बच्चों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग के अनुसार हम सभी का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है कि अपने कार्यस्थलों पर सुरक्षा संबंधी सभी नियमों एवं मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें। विपिन बजाज, अशोक कुमार मित्तल व पुरषोत्तम गोयल ने बताया कि अग्निशमन एवं अन्य सुरक्षा उपकरण पूर्णतः कार्यशील एवं अद्यतन स्थिति में होने चाहिए। आपातकालीन निकास मार्ग एवं आवागमन के रास्ते साफ-सुथरे एवं अवरोधमुक्त रहें। सभी वैधानिक सुरक्षा मानकों एवं सरकारी निर्देशों का अनुपालन किया जाए।

नशे के दुष्प्रभावों की दी जानकारी

बहादुरगढ़। वैश्य आर्य शिक्षण महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत सप्ताह की थीम पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। का स्वयंसेविकाओं द्वारा ऑनलाइन माध्यम से पोस्टर बनाकर व स्लोगन लिखकर नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। समाज को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि नशा एक ऐसी सामाजिक बुराई है। युवाओं को अपनी ऊर्जा एवं प्रतिभा को शिक्षा, कौशल विकास, खेल, योग तथा रचनात्मक गतिविधियों में लगाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली, आत्म-अनुशासन एवं सकारात्मक सोच को नशामुक्त समाज के निर्माण की आधारशिला बताया।

जिले में नहरों में नहाने पर पूर्ण प्रतिबंध

झज्जर। वर्षा खांगवाल, जिलाधीश झज्जर।

झज्जर। जिलाधीश वर्षा खांगवाल ने नहरों में नहाने पर प्रतिबंध लगाने के लिए जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 धारा 163 लगाई गई है। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अक्सर युवाओं को नहरों में स्नान करते हुए हुए देखा जाता है व कई बार नहरों में नहाते वक्त लोग हादसे का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि नहरों में स्नान करने पर पूर्णतः पाबंदी है और जो भी व्यक्ति नियमों के विरुद्ध नहरों में स्नान करते हुए मिलता है तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

विधायक राजेश जून ने एक लाख रुपये अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा की

विधायक ने नया गांव सैनियान में 11 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया

गली निर्माण, नालों पर जालियां लगाने के कार्य शुरू

ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत कर क्षेत्र की समस्याएं साझा कीं

200 से अधिक विकास कार्य विभिन्न चरणों में चल रहे

ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विकास पर जोर दे रही सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

विधायक राजेश जून ने बुधवार को नया गांव सैनियान में 11 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शुभारंभ किया। साथ ही अपनी तरफ से एक लाख रुपए लाइट लगाने या पाइप दबाने के लिए देने की घोषणा की। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत करते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से भी अवगत कराया।

विधायक राजेश जून ने बताया कि स्वीकृत राशि से गांव में गली निर्माण कराया जाएगा तथा नालों पर जालियां लगाई जाएंगी, जिससे जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

बहादुरगढ़। नया गांव में गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़ क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने भरपूर सहयोग दिया

विधायक ने 11 लाख रुपए की सरकारी ग्रांट से विकास कार्य का शुभारंभ करने के अलावा अपनी तरफ से एक लाख रुपए नकद दिए हैं। जिनसे ग्राम पंचायत अपने विवेक अनुसार लाइट लगवा ले या फिर पाइप दबवा ले। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताते हुए कहा कि बहादुरगढ़ क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री ने भरपूर सहयोग दिया है। उनके नेतृत्व में विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके चलते शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। राजेश जून ने कहा कि वर्तमान समय में बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 200 से अधिक विकास कार्य विभिन्न चरणों में चल रहे हैं। नागरिकों की सुविधाओं को बढ़ाने वाले इन कार्यों का लगातार शुभारंभ और उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी तथा जनता की जरूरतों के अनुसार विकास योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।